गन्ने का दाम बढ़ने से यूपी की मिलों का बजेगा बैंड

राज्य सरकार ने गन्ने के एसएपी में 16 फीसदी की बढ़ोतरी की, मिलों का प्रॉफिट होगा कम

[ईटी ब्यूरो *नई दिल्ली*]

यूपी सरकार के गन्ने के फार्मगेट प्राइस में 16 फीसदी की बढ़ोतरी करने के फैसले से इनवेस्टर्स में घबराहट है। उन्हें लग रहा है कि यूपी सरकार के इस फैसले से राज्य की चीनी मिलों का प्रॉफिट कम होगा।

इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (एस्मा) के डायरेक्टर जनरल अविनाश वर्मा के मुताबिक, 'ऊंचे एसएपी के एलान से यूपी की शुगर मिलों की फाइनेंशियल हेल्थ पर बुरा असर पड़ेगा। इसका असर पूरी शुगर इंडस्ट्री पर दिखेगा।' गन्ना किसानों को अब शुरुआती वैरायटी के लिए 290 रुपए प्रति क्विंटल का दाम मिलेगा। वहीं, कॉमन वैरायटी के लिए 275 रुपए और नॉन-अप्रूव्ड वैरायटी के लिए 275 रुपए प्रति क्विंटल की कीमत मिलेगी। गन्ने के दाम में बढ़ोतरी से

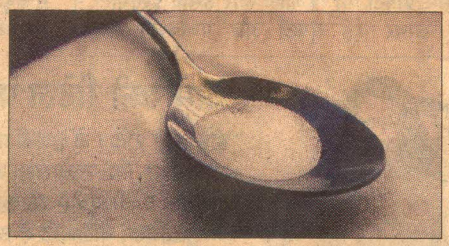

मिलों पर किसानों की बकाया रकम भी बढ़ सकती है। पिछले साल शुगर मिलों ने किसानों को 18,200 करोड़ रुपए का भुगतान किया था। इस सीजन में यह 3,000 करोड़ रुपए बढ़कर 21,000 करोड़ रुपए से ज्यादा हो सकता है। यूपी शुगर मिल्स एसोसिएशन (यूपीएसएमए) के एस एल गुप्ता ने कहा, 'इस साल इंटरनेशनल मार्केट में चीनी की कीमत ज्यादा है। इस वजह से हम 4,400 करोड़ रुपए का एरियर दे पाए थे। हालांकि, इस बार एसएपी में ज्यादा बढ़ोतरी के चलते हम एरियर का भुगतान नहीं कर पाएंगे।'

इंडस्ट्री के मुताबिक, गन्ने की कीमतों में बढ़ोतरी से शुगर की प्रोडक्शन कॉस्ट 3,150 रुपए प्रति क्विंटल से बढ़कर 3,550 रुपए प्रति क्विंटल हो जाएगी। इससे डोमेस्टिक इंडस्ट्री के लिए इंटरनेशनल मार्केट में मुकाबला करना मुश्किल हो जाएगा। उन्होंने कहा, 'पिछले 3 साल में गन्ने की कीमत 70 फीसदी बढ़कर 165 रुपए प्रति क्विंटल से 280 रुपए प्रति क्विंटल हो गई है। वहीं, चीनी के दाम में सिर्फ 15 फीसदी का इजाफा हुआ है। एसएपी में इस तरह की बढ़ोतरी का कोई मतलब नहीं है।'